11/5/21
CW

Date ______
Page ______

# गिल्लू

1) सोनजूही में लगी पीली कली को देख लेखिका के मन में कौन से विचार उमड़ने लगे?

→ सोनजूही में लगी पीली कली को देख लेखिका को गिल्लू की याद आ गई। गिल्लू एक गिलहरी थी जिसकी जान लेखिका ने बचाई थी। उसके बाद से गिल्लु का पूरा जीवन लेखिका के साथ ही बीता था। लेखिका ने गिल्लु की मौत के बाद गिल्लु के शरीर को उसे सोन-जूही के पौधे के नीचे दफनाया था इसीलिए जब भी लेखिका सोनजूही में लगी पीली कली के देखती थी उसे लगता था जैसे गिल्लु उन कलियों के रूप में उसे चौंकाने ऊपर आ गया है।

2) पाठ के आधार पर कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है?

→ हिंदु धर्म में ऐसी मान्यता है कि पितरपक्ष के समय हमारे पूर्वज कौवे के भेष में आते है। एक अन्य मान्यता है कि जब कौवा कांव-कांव करता है तो इसका मतलब होता है कि घर में कोई मेहमान आने वाला है। इन कारणों से कौवे को सम्मान दिया जाता है। लेकिन दूसरी ओर कौवे के कांव-कांव करने के अशुभ भी माना जाता है। इसलिए कौवे को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी कहा गया है।

Date ______
Page ______

3) गिलहरी के घायल बच्चे का उपचार किस प्रकार।
→ गिलहरी के घायल बच्चे के घाव पर लगी खून को पहले रूई से साफ किया गया। उसके बाद उसके घाव पर पेंसिलिन का मलहम लगाया गया। उसके बाद रूई को दूध में डुबो कर उसे दूध पिलाने की कोशिश की गई जो असफल रही क्योंकि अधिक घायल होने के कारण कमज़ोर हो गया था और दूध की बूंदे उसके मुँह से बाहर गिर रही थी। लगभग ढाई घंटे के उपचार के बाद गिलहरी के बच्चे के मुँह में पानी की कुछ बूंदे जा सकी।

4) लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था?
→ लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैरों के पास आता और फिर सर से परदे पर चढ़ जाता था। उसके बाद वह परदे से उतरकर लेखिका के पास आ जाता था। यह सिलसिला तब तक तक चलता रहता था जब तक कि लेखिका गिल्लू को पकड़ने के लिए दौड़ न लेखिका गिल्लू को पकड़ने के लिए दौड़ न लगा देती थी।

5) गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता क्यों समझ गई और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया।

Date
Page

→ लेखिका के घर में रहते हुए गिल्लू के जीवन का सुराग लेखिका के कमरे में धीरे - धीरे फैलने लगी। लेखिका कहती है कि बाहर की गिलहरियाँ उसके घर की खिड़की की जाली के पास आकर चिक - चिक करके न जाने क्या कहने लगीं? जिसके कारण गिल्लु खिड़की से बाहर झाँकने लगा गिल्लु को जाली के पास बैठकर अपनेपन से इस तरह बाहर झाँकते देखकर लेखिका को लगा कि इसे आजाद करना अब जरूरी है। लेखिका पर लगी जाली की कीलें निकालकर जाली का एक कोना खोल दिया और गिल्लु के बाहर जाने का रास्ता बना दिया।

6) गिल्लु किन अर्थों में परिचारिका की भूमिका निभा रहा था?

→ जब लेखिका अस्पताल से घर आई तो गिल्लु उनके सिर के पास बैठा रहता था। वह अपने नन्हे पंजों से लेखिका के सिर और बाल को सहलाता रहता था। इस तरह से वह किसी परिचारिका की भूमिका निभा रहा था।

7) गिल्लु कि किन चेष्टाओं से यह आभास मिलने लगा था कि अब उसका अंत समय समीप

→ गिल्लु ने दिन भर कुछ नहीं खाया था। वह कहीं बाहर भी नहीं गया था। रात में वह

Date
Page

बहुत तकलीफ में लग रहा था। उसके बावजूद वह अपने झूले से उतरकर लेखिका के पास आ गया। गिल्लु ने अपने ठंडे पंजों से लेखिका कि अंगुली पकड़ ली और हाथ से चिपक गया। इससे लेखिका को लगने लगा कि गिल्लु का अंत समय समीप ही था।

8) प्रभात की प्रथम किरण के स्पर्श के साथ ही वह किसी और जीवन में जागने के लिए सो गया - का आशय स्पष्ट कीजिए।

→ 'प्रभात की प्रथम किरण के स्पर्श के साथ ही वह किसी और जीवन में जागने के लिए सो गया'- इस पंक्ति में लेखिका ने पुनर्जन्म की मान्यता को स्वीकार किया है। लेखिका को लगता है कि गिल्लु अपने अगले जन्म में किसी अन्य प्राणी के रूप में जन्म लेगा।

9) सोनजुही की लता के नीचे बना गिल्लु की समाधि से लेखिका के मन में किस विश्वास का जन्म होता है।

→ लेखिका ने गिल्लु को इस जुही के पौधे के निचे दफनाया था क्योंकि गिल्लु को वह लता सबसे अधिक प्रिय थी। लेखिका ने ऐसा इसलिए भी किया था क्योंकि लेखिका को उस छोटे से जीव का, किसी वसंत में जुही के पील रंग छोटे फुल में खिल जाने का विश्वास।